नव भारत, भोपाल

3 SEP 2007

सूबे को विकास की सौगात

पीथमपुर-धार-महू को डीएमआईसी से जोड़ने को हरी झंडी

नई दिल्ली 2 सितम्बर, नससे. सूबे के पीथमपुर- धार- महू इंडस्ट्रीयल क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरीडोर से जोड़ने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाकर केंद्रीय उद्योग व वाणिज्य मंत्री कमलनाथ ने मध्यप्रदेश को एक ऐसी सौगात दी जिससे देश के हृदय स्थल में बसे इस राज्य को औद्योगिक संसाधनों से लैस किया जा सकेगा और फिर निवेश के अनुकूल वातावरण भी तैयार किया जा सकेगा.

प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को उक्त जानकारी से अवगत कराया.

उन्होंने विश्वास जताया कि इस परियोजना से मध्यप्रदेश देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में आ खड़ा होगा. मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक इस परियोजना से सबसे बड़ा फायदा यह मिलेगा कि पीथमपुर-धार-महू के इंवेस्टमेंट वाले क्षेत्रों और नीमच-नयागांव के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में इंडस्ट्रीयल इस्टेट, नोलेज हब, एग्रो-प्रोसेसिंग हब, आईटी हब, लॉजिस्टिक हब का निर्माण किया जा सकेगा.

साथ ही इसके आयात निर्यात के लिए फीडर रोड, रेल लाईन, हवाई अड्डों और बंदरगाहों का जाल भी बिछाया जायेगा जिसका लाभ भी यहां की जनता को मिल सकेगा. उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए कमलनाथ लंबे समय से प्रयासरत थे,ताकि मध्यप्रदेश जापानी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संसाधन कंपनियों के लिए निवेश का एक प्रमुख केंद्र बन सके.

■ शेष पृष्ठ 7 पर

सूबे को...

इसके लिए उन्होंने सभी संबंधित मंत्रालयों को मनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. कमलनाथ का कहना है कि इस परियोजना के पूरा हो जाने से सूबे में रोजगार के अवसर दोगुना बढ़ेंगे तो औद्योगिक परिणामों में तीन गुना इजाफा तय है. साथ ही पांच सालों के अंदर निर्यात में भी पांच गुना वृद्धि होनी तय है.

नव भारत, भोपाल

-3 SEP 2007

सूबे को विकास की सौगात

पीथमपुर-धार-महू को डीएमआईसी से जोड़ने को हरी झंडी

नई दिल्ली 2 सितम्बर, नससे. सूबे के पीथमपुर- धार- महू इंडस्ट्रीयल क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रीयल कॉरीडोर से जोड़ने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाकर केंद्रीय उद्योग व वाणिज्य मंत्री कमलनाथ ने मध्यप्रदेश को एक ऐसी सौगात दी जिससे देश के हृदय स्थल में बसे इस राज्य को औद्योगिक संसाधनों से लैस किया जा सकेगा और फिर निवेश के अनुकूल वातावरण भी तैयार किया जा सकेगा.

प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को उक्त जानकारी से अवगत कराया.

उन्होंने विश्वास जताया कि इस परियोजना से मध्यप्रदेश देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में आ खड़ा होगा. मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक इस परियोजना से सबसे बड़ा फायदा यह मिलेगा कि पीथमपुर-धार-महू के इंवेस्टमेंट वाले क्षेत्रों और नीमच-नयागांव के औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में इंडस्ट्रीयल इस्टेट, नोलेज हब, एग्रो-प्रोसेसिंग हब, आईटी हब, लॉजिस्टिक हब का निर्माण किया जा सकेगा.

साथ ही इसके आयात निर्यात के लिए फीडर रोड, रेल लाईन, हवाई अड्डों और बंदरगाहों का जाल भी बिछाया जायेगा जिसका लाभ भी यहां की जनता को मिल सकेगा. उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए कमलनाथ लंबे समय से प्रयासरत थे,ताकि मध्यप्रदेश जापानी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संसाधन कंपनियों के लिए निवेश का एक प्रमुख केंद्र बन सके.

■ शेष पृष्ठ 7 पर

सूबे को...

इसके लिए उन्होंने सभी संबंधित मंत्रालयों को मनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी. कमलनाथ का कहना है कि इस परियोजना के पूरा हो जाने से सूबे में रोजगार के अवसर दोगुना बढ़ेंगे तो औद्योगिक परिणामों में तीन गुना इजाफा तय है. साथ ही पांच सालों के अंदर निर्यात में भी पांच गुना वृद्धि होनी तय है.

दैनिक एक्सप्रेस न्यूज़, भोपाल

-3 SEP 2007

दिल्ली-मुंबई कोरीडोर में पीतमपुरा-धार और मऊ भी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (ईएमएस)। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कमलनाथ ने दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कोरीडोर में पीतमपुरा-धार-मऊ औद्योगिक क्षेत्र को सैद्धांतिक रूप में अनुमोदन प्रदान कर दिया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आज लिखे अपने पत्र में कमलनाथ ने विश्वास व्यक्त किया कि इस अनुमोदन से मध्यप्रदेश आधुनिकतम औद्योगिक संरचना के विकास तथा देश में निवेश का वातावरण तैयार करने में अन्य अग्रणीय राज्यों में म.प्र. भी शामिल हो जाएगा। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कोरिडोर परियोजना में पीतमपुरा-धार ओर मऊ औद्योगिक क्षेत्र को शामिल किए जाने के लिए कमलनाथ ने पिछले कई महीनों के दौरान व्यक्तिगत स्तर पर अथक प्रयास किया। मध्यप्रदेश, जापान तथा अन्य देशों के अन्तरराष्ट्रीय कंपनियों का पसंदीदा निवेश केन्द्र बन सके एवं मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास और तीव्र हो। कमलनाथ ने अनेक समन्वयकर्त्ता मंत्रालयों के साथ इस मामले पर स्वयं पहल की। कमलनाथ द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश राज्य अंततः इस प्रतिष्ठित परियोजना में एक प्रमुख हित बद्ध पक्षकार बन गया है। कमलनाथ ने ईएमएस से चर्चा करते हुए कहा पीतमपुरा-धार-मऊ के निवेश क्षेत्रों और नीमच-नयागांव के औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक स्टेट, इन केन्द्र कृषि संसाधन केन्द्र, आई/टी आईटीईएस केन्द्र, संभारतंत्र संबंधी केन्द्र जैसी अपेक्षित औद्योगिक अधोसंरचनाएं तथा भौतिक अधोसंरचना संपर्क सड़के, रेल लाईन, पत्तन, वायु पत्तन, विद्युत आदि होगी।

राज्य की नई दुनिया, भोपाल
3 SEP 2007

पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक गलियारे में

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री मंत्री श्री कमलनाथ ने पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे से जोड़ने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा दी है। श्री कमलनाथ ने इस बारे में रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान से भी बात की। उन्होंने कहा कि इससे मप्र में निवेश तथा विकास की संभावनाओं में बढ़ोतरी होगी।

चौथा संसार, इन्दौर
3 SEP 2007

पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक क्षेत्र को मंजूरी

नई दिल्ली, २ सितंबर (वार्ता)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने दिल्ली मुंबई औद्योगिक गलियारा (डीएमआईसी) परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक क्षेत्र को मंजूरी दे दी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कमलनाथ ने आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को भेजे एक संदेश में विश्वास जताया कि इस मंजूरी से राज्य औद्योगिक रूप से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल हो जाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित करेगा।

श्री कमलनाथ डीएमआईसी परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक क्षेत्र को शामिल कराने के लिये पिछले कई महीनों से कोशिश कर रहे थे ताकि यह राज्य जापानी और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को बेहतर निवेश अवसर उपलब्ध करा सके।

श्री कमलनाथ ने बताया कि राज्य के नीमच-नयागांव क्षेत्र में स्थित पीथमपुर-धार-महू औद्योगिक क्षेत्र कृषि प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, ज्ञान आधारित उद्योग, परिवहन जैसे उद्योगों के लिये बेहतरीन निवेश अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस परियोजना के पूरा हो जाने के बाद डीएमआईसी में शामिल सभी राज्यों में अगले पांच वर्षों रोजगार के अवसर दोगुने हो जाएंगे, साथ ही इन राज्यों का औद्योगिक उत्पादन तिगुना और निर्यात चौगुना बढ़ जाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल, भोपाल
- 3 SEP 2007

पीथमपुर, धार और महू औद्योगिक क्षेत्र को मिली केंद्र की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली, 2 सितम्बर : केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने दिल्ली, मुंबई औद्योगिक गलियारा डीएमआईसी परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के पीथमपुर, धार, महू औद्योगिक क्षेत्र को मंजूरी दे दी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कमलनाथ ने आज मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भेजे एक संदेश में विश्वास जताया कि इस मंजूरी से राज्य औद्योगिक रूप से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल हो जाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित करेगा।

कमलनाथ डीएमआईसी परियोजना के तहत मध्यप्रदेश के पीथमपुर, धार, महू औद्योगिक क्षेत्र को शामिल

करने के लिये पिछले कई महीनों से कोशिश कर रहे थे ताकि यह राज्य जापानी और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की अन्य अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को बेहतर निवेश अवसर उपलब्ध करा सके।

कमलनाथ ने बताया कि राज्य के नीमच नयागांव क्षेत्र में स्थित पीथमपुर, धार, महू औद्योगिक क्षेत्र कृषि प्रसंस्करण सूचना प्रौद्योगिकी ज्ञान आधारित उदयोग परिवहन जैसे उदयोगों के लिये बेहतरीन निवेश अवसर उपलब्ध करायेगा।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस परियोजना के पूरे हो जाने के बाद डीएमआईसी में शामिल सभी राज्यों में अगले पांच वर्षों में रोजगार के अवसर दोगुने हो जाएंगे, साथ ही इन राज्यों का औद्योगिक उत्पादन तिगुना और निर्यात चौगुना बढ़ जाएगा।

दैनिक जा[illegible] [illegible]पाल
– 3 SEP 2007

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरीडोर में प्रदेश शामिल

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल

• कमलनाथ ने शिवराज को पत्र लिख कर दी जानकारी

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कमलनाथ ने दिल्ली मुम्बई औद्योगिक कॉरीडोर में मध्यप्रदेश के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को शामिल करने की सैद्धान्तिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी है। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे एक पत्र में यह जानकारी दी और विश्वास व्यक्त किया है कि इससे प्रदेश आधुनिकतम औद्योगिक संरचना विकास तथा देश में निवेश का वातावरण तैयार करने में अन्य अग्रणी राज्यों में शामिल हो जाएगा।

दिल्ली-मुम्बई औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना में पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को शामिल करने से मध्यप्रदेश, जापान तथा अन्य देशों के अंतर्राष्ट्रीय अधोसंरचना फर्मों का पसंदीदा निवेश केन्द्र बन सकेगा। पत्र में उन्होंने लिखा है कि पीथमपुर के निवेश क्षेत्रों और नीमच नयागांव के औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक स्टेट, ज्ञान केन्द्र, कृषि प्रसंस्करण केन्द्र, आईटी, आईटीईएस केन्द्र, संचारतंत्र संबंधी केन्द्र जैसी अपेक्षित औद्योगिक अधोसंरचनाएं तथा भौतिक अधोसंरचना होंगी।

इसमें दिल्ली-मुम्बई सहित अन्य रेल फ्रेट कॉरीडोर द्वारा प्रस्तावित रेल संपर्क और राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित राष्ट्रीय चतुर्भुज योजना के तहत सड़क संपर्क बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। उन्होंने आशा प्रकट करते हुए कहा कि यह परियोजना पूरी होने के बाद मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों के युवाओं को पांच वर्षों में रोजगार की संभावना को दुगना करने, औद्योगिक उत्पाद तिगुना करने तथा निर्यातों को चार गुणा करने में सफलता हासिल होगी।

राज एक्सप्रेस, भोपाल

- 3 SEP 2007

धार, महू औद्योगिक क्षेत्र को मिली केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा परियोजना के तहत धार, महू औद्योगिक क्षेत्र को मंजूरी दे दी है। इसमें नयागांव, नामक क्षेत्र में भी औद्योगिक विकास होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को भेजे संदेश में विश्वास जताया कि इस मंजूरी से राज्य औद्योगिक रूप से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल हो जाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश निवेश आकर्षित करेगा। कमलनाथ डीएमआईसी परियोजना के तहत धार, महू औद्योगिक क्षेत्र को शामिल कराने के लिए कई महीनों से कोशिश कर रहे थे।

THE PIONEER, BHOPAL
- 3 SEP 2007

Pitampura-Dhar-Mhow get berth in Delhi-Mumbai Industrial Corridor

Staff Reporter | Bhopal

Union Minister of Commerce and Industry Kamal Nath accorded the 'in-principle' approval to the Pitampura-Dhar-Mhow industrial region in "Delhi Mumbai Industrial Corridor" project at Mhow on Sunday.

In his communication to the Madhya Pradesh Chief Minister, Kamal Nath has expressed confidence that with this approval, Madhya Pradesh would join other frontline States in developing the state-of-the-art industrial infrastructure and pro-investment environment in the country.

The inclusion of Pitampura-Dhar-Mhow industrial region in "Delhi Mumbai Industrial Corridor" project follows the relentless efforts of the Union Minister during the past several months to ensure that Madhya Pradesh becomes the favourite investment centre for scores of Japanese and other international infrastructure firms, which are looking for quality investment opportunities.

The efforts made by Kamal Nath, who pursued the matter with several coordinating Ministries, finally brings up Madhya Pradesh as an important stakeholder in this prestigious project.

Kamal Nath also said that the investment regions of Pitampura-Dhar-Mhow and industrial Area of Neemuch-Nayagaon would have requisite industrial infrastructure like industrial estates, knowledge hubs, agro-processing hubs, IT/ITES hubs, logistics hubs and physical infrastructure (feeder roads/ rail lines, ports, airports, power etc.)

The project proposes to leverage the Dedicated Rail Freight National Quadrilateral developed under the National Highway Programme.

Kamal Nath hoped that after completion of the project in all the States, including MP, the State would have the benefit of doubling the employment potential, tripling industrial output and quadrupling the two in the five years.

CENTRAL CHRONICLE, BHOPAL

- 3 SEP 2007

Centre clears MP as part of $100bn DMIC project

Agencies
New Delhi, Sept 2

The Centre has formally approved the Pitampura-Dhar-Mhow industrial region in Madhya Pradesh, home state of commerce and industry minister Kamal Nath, to be part of the proposed 100-billion-dollar Delhi-Mumbai Industrial Corridor.

In a communication to Chief Minister Shivraj Singh Chouhan, Nath expressed confidence that with the inclusion of Madhya Pradesh in the Japanese co-promoted DMIC, the state would have modern industrial infrastructure and investment environment, an official release said today.

The Union Cabinet has already approved the DMIC project, which would run parallel to the Delhi-Mumbai dedicated rail freight corridor, also being co-financed by Japan.

Thanks to Nath, under whose ministry the DMIC is being anchored, the BJP-ruled Madhya Pradesh would enjoy a unique status. Though it does not fall in the dedicated freight route, the state would get benefits of the industrial corridor.

Nath also informed Chouhan that investment regions in Pitampura Dhar-Mhow and Neemuch-Nayagaon would have requisite infrastructure like industrial estates, knowledge hubs, agro-processing hubs, IT/ITEs hubs, logistics hubs and physical infrastructure like feeder roads, rail lines, ports, airports and power.

The project would also leverage the road connectivity offered by the national quadrilateral developed under the national highway programme.